नर्मदे हर की गूंज से गूंजा उत्तर तट

व्यास नारायण मंदिर में हुआ उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा का समापन

नर्मदा नगरी मंडला में उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा विगत चार वर्ष पहले प्रारंभ की गई। जिसके अंतर्गत महिष्मति मां नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति के तत्वावधान में उत्तर वाहिनी नर्मदा परिक्रमा के दूसरे चरण की नर्मदा परिक्रमा शनिवार को प्रात: प्रारंभ की गई।

मण्डला।

मंडला नगर के व्यास नारायण मंदिर में संकल्प लेकर उत्तर वाहिनी नर्मदा परिक्रमा शुरू हुई। परिक्रमा का रात्रि विश्राम घाघा घाघी में हुआ। यहां रॉत्रि में भजन,कीर्तन किया गया। माँ नर्मदा की मनमोहक आरती भक्तों द्वारा की गई। हजारों की संख्या में यहां परिक्रमावासी के अलावा लोग मौजूद रहे।

बताया गया कि इस बार की परिक्रमा का आयोजन खासतौर पर महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं के लिए हुआ है। उनकी गणना पद्धति और हमारी गणना पद्धति में 15 दिनों का अंतर है इसलिए उनके अनुसार चैत्र मास अभी चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार आयोजित परिक्रमा में स्थानीय सहित देश भर के करीब 650 से अधिक श्रद्धालु परिक्रमा में शामिल हुए हैं।

ज्ञात हो कि दो दिवसीय उत्तर वाहिनी नर्मदा परिक्रमा के घाघा घाघी में रात्रि विश्राम के बाद प्रातः घाघा घाघी नर्मदा तट नाव से पार करके बबैहा पहुंचे। बबैहा में स्थानीय नर्मदा भक्तों एवं ग्रा पंचायत के उपसरपचं के द्वारा बाल भोग की व्यवस्था की गई थी जहां पर परिक्रमावासियों ने बाल भोग ग्रहण किया और थोड़े समय विश्राम भी किया। अल्प विराम के बाद यात्रा आगे की और बढ़ी। ग्वारी, तिंदनी होते हुए परिक्रमावासी कटरा पहुंचे। जहां पर दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई थी। राजपूत मैरिज लॉन परिसर में परिक्रमावासियों के रूकने की व्यवस्था की गई थी परिक्रमावासी यहां धीरे-धीरे पहुंचते गये और राजपूत हॉटल में अपनी थकान मिटाने रूके। सभी के पहुंचने के बाद भोजन प्रारंभ हुआ और इस दौरान भजन-मंडली द्वारा माँ रेवा के भक्तिमय भजन प्रस्तुत किये गये जिनके दौरान नर्मदा भक्तों ने जमकर नृत्य भी किया और भक्ति रस में डूबकर अपनी थकान मिटाई। यहां से परिक्रमा लगभग 02 घंटे विश्राम एवं भजन के बाद नगर के लिये रवाना हुई कटरा से लेकर व्यास नारायण मंदिर तक यात्रा को पहुंचने में लगभग 02 घंटे का समय लगा इसके पीछे कारण यह था कि पूर रास्ते में नगर के नर्मदा भक्तों द्वारा कहीं खीर तो कहीं शीतल पेय, कहीं फल तो कहीं मिष्ठान आदि परिक्रमावासियों को दिये जा रहे थे और उनका सम्मान किया जा रहा था।

परिक्रमा यात्रा जब उदयचौक से बुधवारी क्षेत्र में प्रवेश की तो सभी परिक्रमावासियों ने बिना किसी नृत्य एवं संगीत के यहां का रास्ता पूरा किया इसके पीछे कारण था कि इस क्षेत्र के 02 व्यक्तियों का आकस्मिक निधन हो गया था जिसके चलते क्षेत्र में शोक का माहौल था और इसी को दृष्टिगत रखते हुये परिक्रमावासियों ने यहां से यात्रा शांतिपूर्वक संपन्न की और व्यास नारायण मंदिर पहुंची। राजेश्वरी वार्ड के व्यास नारायण मंदिर में पूजन के बाद यात्रा का समापन किया गया।

42 किमी की रही दूसरे साल की यात्रा

बता दे कि उत्तरवाहिनी परिक्रमा का यह चौथा वर्ष है। महाराजपुर संगम से घाघा-घाघी तक लगभग 21 किमी एक तट व 21 किमी बैबहा से राजराजेश्वरी वार्ड तक कुल 42 किमी की परिक्रमा पूर्ण की गई। बता दें कि नर्मदा परिक्रमा को लेकर शास्त्रों में एक प्रावधान यह भी किया गया है कि जो कोई भी मां नर्मदा की परिक्रमा किसी कारणवश चाहते हुए भी न कर पा रहा हो तो वह व्यक्ति उत्तरवाहिनी मां नर्मदा परिक्रमा कर इस पुण्य लाभ को प्राप्त कर सकता है। यह जिलेवासियों का सौभाग्य है कि मां नर्मदा जिले को तीन ओर से घेरते हुए मंडला से कल-कल करती आगे बढ़ रही है। इसी के साथ जिले में उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा तट भी स्थित है। जिससे नर्मदा नगरी का महत्व और बढ़ जाता है।

खबर संक्षेप

गिद्ध संरक्षण उपायों का दिख रहा असर, मिले 238 गिद्ध

मण्डला। प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना के अंतर्गत मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व में तीन दिवसीय गणना हुई। पार्क क्षेत्र में हुई इस गणना में गिद्धों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। द्विवार्षिक प्रदेश व्यापी गणना के द्वितीय चरण की तीन दिवसीय गिद्ध गणना में पार्क क्षेत्र में 238 गिद्ध देखे गए हैं। जबकि फरवरी में हुई प्रथम चरण की गणना में 185 और 2022 में 98 गिद्ध पाए गए थे। कान्हा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर एसके सिंह ने बताया कि देश में घटती गिद्धों की जनसंख्या को देखते हुए मध्यप्रदेश में 2015 से इनके संरक्षण के उपाय किये जा रहे हैं। तब से हर दो वर्ष में इनकी गणना की जाती है। गिद्धों की गणना दो चरणों में होती है। एक चरण ठंड के मौसम में और दूसरा गर्मी के मौसम में होता है। फील्ड डायरेक्टर ने बताया कि गिद्धों की गणना का प्रथम चरण फरवरी में हुआ था, जिसमें 185 गिद्ध पाए गए थे। वहीं बुधवार को सम्पन्न हुई द्वितीय चरण की गणना में 238 गिद्ध पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन नतीजों से लगता है कि संरक्षण के उपाय असर कर रहे हैं और गिद्धों की संख्या लगातार बढ़ रही है। गिद्धों के संरक्षण के उपायों पर फील्ड डायरेक्टर ने बताया कि एक दर्दनाशक दवा डाइक्लोफिनेक का उपयोग मवेशियों में किया जाता था। इन मृत मवेशियों को जब गिद्ध खाते थे तो उन पर इसका विपरीत असर होता था और उनकी मृत्यु हो जाती थी। इस दवा को भारत सरकार ने मवेशियों के लिए प्रतिबंधित कर दिया है और लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई संत शिरोमणि सेन महाराज की जयंती

अंजनिया। अंजनिया में संत शिरोमणि सेन समाज की जयंती सेन इकाई प्रकोष्ठ द्वारा बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान संत शिरोमणि के उपदेशों का वर्णन भी किया गया। इसके बाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुन्ना श्रीवास, रम्मू श्रीवास, राकेश श्रीवास, सिद्धू श्रीवास, दीनू श्रीवास मोहन श्रीवास, दिलीप श्रीवास के अलावा अन्य जन उपस्थित रहे।

एसोसिएशन ने किया सृष्टि का अभिनंदन

अंजनिया। जिले के शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल अंजनिया की कक्षा 12 की छात्रा सृष्टि दुबे ने गणित संकाय की प्रदेश स्तरीय प्रवीण्य सूची में 7वाँ स्थान और जिला स्तर पर सर्वाधिक अंक 97 प्रतिशत लाने पर ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने छात्रा का अभिनंदन किया है। अभिनंदन कार्यक्रम को संगठन के पदाधिकारी ने संबोधित करते हुए छात्र के परिश्रम लगन की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी और आने वाले समय में कई विद्यार्थी प्रवीण सूची में शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर ने कहा कि अच्छे अंक लाने के लिए विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिका में लेखन शैली अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

महानंद कांसकार का निधन

मण्डला। नगर के प्रतिष्ठित

व्यवसायी तथा सत्यम, शिवम कांसकार के पिता श्री महानंद कांसकार का नागपुर में उपचार के दौरान निधन हो गया है। अंतिम संस्कार सोमवार की सुबह खैरी स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा।

धूमधाम से सेन समाज ने मनाई गई सेन जंयती

बिछुआ। रविवार को सेन समाज ईकाई बिछुआ द्वारा गायत्री मंदिर में 724वीं श्री नंदा जी सेन महाराज की (सेन जंयती)मनाई गई जहां मंदिर परिसर पर हवन पूजन कर श्री सेन महाराज जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजन पाठ किया गया एवं सामाजिक बंधुओं द्वारा एक दूसरे को सेन जंयती की बधाई दी गई एवं समाज के बंधुओं ने साथ प्रसाद,स्वल्पहार लिया एवं समाज के उत्थान कल्याण की योजना पर चर्चा की गई इसी के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया इस अवसर पर वरिष्ठ सेन समाज अध्यक्ष ढिमाकचंद बंदेवार, समाजसेवी विशाल बंदेवार,नगर सेन समाज अध्यक्ष रवि शंकर श्रीवास,वरिष्ठ शिवप्रसाद श्रीवास,जिला युवा सेन समाज कार्यकारि अध्यक्ष प्रमोद श्रीवास,युवा सेन समाज ब्लॉक अध्यक्ष मोहीत श्रीवास,अनिल बंदेवार मौजूद रहे।

यज्ञ के मंत्र उच्चारण के साथ श्री राम सत्ता का हुआ प्रारंभ

आज होगा रामसत्ता के साथ सात दिवसीय महामृत्युंजय यज्ञ का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

नगर की समीपस्थ ग्राम पंचायत जुन्नारदेव विशाला की पहली पायरी देवस्थली में स्थित मां काली मंदिर में सात दिवसीय श्री मृत्युंजय यज्ञ का आयोजन 30 अप्रैल से किया गया था 5 में को यज्ञ के मंत्र उच्चारण के बीच श्री राम सत्ता का शुभारंभ भी मंदिर परिसर में किया गया सोमवार 6 में को यज्ञ की अग्नि में पूर्णाहुति डाल मृत्युंजय यज्ञ का समापन के साथ ही श्री राम सत्ता का समापन भी किया जाएगा। महामृत्युंजय मंत्र का उच्चारण यज्ञ आचार्य पंडित राजेश शास्त्री उज्जैन, पंडित हरीश शास्त्री उज्जैन एवं पंडित जगदीश शास्त्री नर्मदा पुरम द्वारा किया गया। यज्ञ आयोजन नीरज सिंह राजपूत धनराज कुमरे सहित समस्त ग्रामवासी जुन्नारदेव विशाला ने विधानसभा क्षेत्र की धर्म प्रेमी जनता से यज्ञ समापन अवसर पर उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की है।

संगीतमय भागवत कथा में उमड़ रहा जन सैलाब

जुन्नारदेव। नगर की समीपस्थ ग्राम पंचायत खापास्वामी के ग्राम छाबड़ी भुतहा में 2 मई से जारी भागवत कथा के तीसरे दिन 4 मई शनिवार को भागवत आचार्य पंडित रोहितानंद शास्त्री वृंदावन धाम द्वारा शिव विवाह, ध्रुव चरित्र एवं अजामिल चरित्र की कथा का बखान किया गया। शिव माता पार्वती विवाह के दौरान आकर्षक झांकी निकाली गई संगीत में भागवत कथा के दौरान भक्तगण बड़ी संख्या में बारात में झूमते नजर आए बैंड बाजे के साथ शिवजी की बारात भागवत स्थल पर पहुंची जहां पर बारात का भव्य स्वागत किया गया तथा के दौरान शिव माता पार्वती विवाह में बड़ी संख्या में ग्रामीण सहित नगरी क्षेत्र का जन सैलाब उपस्थित था।

एक तरफ पानी की बर्बादी, दूसरी तरफ पानी को तरस रहे ग्रामीण

ग्राम पंचायत कर्मियो की लापरवाही का खमियाजा भुगतने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिंगोड़ी

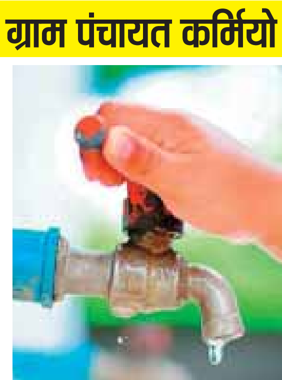

सिंगोड़ी में इन दिनों एक तरफ पानी की बर्बादी हो रही है तो वहीं दूसरी ओर ग्रामीणजन गर्मी के दिनों में पानी के लिए मोहताज हो रहे है। मेन पाइप लाइन से कई लोगो को दिया नल कनेक्शन जवाबदार मौन।जहां एक तरफ भीषण गर्मी और उमस अपना तेवर दिखा रही है तो वही शादियों का सीजन भी चल रहा है ऐसे में ग्राम पंचायत कर्मियो की लापरवाही सिंगोड़ी की आधी से ज्यादा आबादी को 10 से 15 दिनो में नल जल सप्लाई करके पानी के लिए तड़पा रहे है। यहां के नई आबादी क्षेत्र एवं बस स्टैंड के पास वाले रहवासी इलाको में पानी की भारी किल्लत सामने आ रही है इस क्षेत्र में 10 से 15 दिनो में नल से पानी की सप्लाई किया जा रहा उसमे में इतनी देर पानी सप्लाई हो रहा हैं जो ग्रामीण अपनी जरूरत पूरी नहीं कर सकते। जबकि ग्रामीणों का कहना है की सिंगोड़ी में पानी की कमी नहीं है मगर पानी की सप्लाई 10 से 15 दिनो में करने का कोई कारण समझ से परे है।

करोड़ों का फिल्टर प्लांट सोभा की सुपारी बना

सिंगोड़ी में पिछले कई सालों से करोड़ों का फिल्टर प्लांट सोभा की सुपारी बना हुआ है, पूर्व के समय यहां पर पीने के पानी की बिकराल समस्या को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 3 करोड़ से ज्यादा का फिल्टर प्लांट दिया था जो वजूद में भी है जिसको पानी पेंच नदी सहित कुआ एवं बोर से मिलता है ऐसे में सिंगोड़ी की आधी आबादी वाले क्षेत्र को पानी सप्लाई करने से केसे रोका जा सकता हैं ये समझ से परे है। वही जानकार बताते है कि ये बहुत बड़ी लापरवाही ग्राम पंचायत कर्मियो एवं बड़े संबंधित अधिकारीयो की है वे समय समय पर इन उपकरणों की जांच नही करते की इसका लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है या नहीं। बहरहाल जो भी हो जिला कलेक्टर ने हाल ही में समय सीमा की बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं और पिए जल को लेकर सख्त निर्देश दिए थे मगर इन निर्देशों को भी मातहत अधिकारी नजर अंदाज कर रहे हैं प्रतीत होता दिख रहा है।

मेन पाइप लाइन से कनेक्शन और पंचायत की लापरवाही

ग्रामीणों ने बताया कि सिंगोड़ी में कई वर्षो से मेन पाइप लाइन से सैकड़ो की तादात में पंचायत के द्वारा नल कनेक्शन दे दिया गया है ऐसे में सिंगोड़ी की आधी आबादी वाले क्षेत्र में पानी की कोई समस्या नहीं है और इसी क्षेत्र में बड़े स्थानीय नेता और सम्पन्य वर्ग निवास करता जिनके पास खुद का पानी बोर कनेक्शन है ऊपर से रोज नल से पानी सप्लाई हो रहा है। ऐसे में सिंगोड़ी की सबसे घनी बस्ती नई आबादी और बस स्टैंड का क्षेत्र जहां पानी सप्लाई करने में पंचायत को कई दिन लग जाते है तो लोगो के मन में यही आता है की गरीबों के लिए पानी सप्लाई करना भी मुश्किल लगता है पंचायत को, गौरतलब है की यही वो क्षेत्र है जहां अधिकतम मजदूर गरीब और मिडिल क्लास लोग निवास करते है जिनकी समस्या सुनने की कोई जहमत तक नहीं करता जो बड़ा दुखदाई प्रतीत होता है।

एसडीएम कामिनी ठाकुर ने लिया वालीबाल कैंप का जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

एसडीएम और तहसीलदार ने खिलाड़ियों से चर्चा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अपने उद्बोधन में एसडीएम सुश्री कामिनी ठाकुर ने कहा कि खेल से बच्चों में शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए बच्चों को पूरी इच्छा शक्ति के साथ मन लगाकर खेलने एवं राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलकर अपने माता-पिता का एवं जुन्नारदेव का नाम रोशन करने हेतु कहते हुए हौसला बढ़ाया। आज शिविर में उपस्थित 130 बालकों तथा 86 बालिकाओं में खेल के साथ पढ़ाई में भी आगे रहने पर खुशी जाहिर करते हुए प्रशिक्षकों की प्रशंसा की। ज्ञात रहे कि 1989 से प्रारंभ किये गए इस शिविर का शुभारंभ स्वर्गीय एस.एस. शर्मा एन आई एस कोच वॉलीबॉल के द्वारा किया गया था। जिसे उनके शिष्यों द्वारा लगातार शिविर लगाकर इस परंपरा को निभाया जा रहा है।इसमें नगर के एवं आसपास के गांव के लगभग 300 खिलाड़ी छात्र-छात्राएं 9 मैदानों पर 50 बालों के साथ एक महीने प्रशिक्षण प्राप्त करते आ रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर में वॉलीबॉल विद्या की अंडर आर्म, अपर आर्म , सर्विस, स्किल के साथ-साथ व्यक्तित्व के सर्वागीण विकास को भी विकसित करने का प्रयास किया जाता है ।

महंगी निर्माण सामग्री बेचने वाले थंब मशीन से कमीशन के साथ निकल रहे मनमानी राशि

प्रधानमंत्री जन धन योजना में भारिया आदिवासियों के साथ हो रही लूटपाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तामिया

प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत विशेष पिछड़ी भारिया जनजाति आवास योजना के तहत पक्के आवास बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा बनाई गई योजनाओं के तहत ग्राम पंचायत तामिया में 93 आवास स्वीकृत हुए हैं और लगभग बनकर तैयार होने ही वाले है। लेकिन इन भोले भाले भारिया आदिवासियों के जन मन योजना में बनने वाले आवासों में दलालों ने निर्माण सामग्री बेचने के नाम पर उनसे बाजार भाव से दो गुना भाव पर सामग्री टिकाने लगे जिसमें महंगी रेत खरीदने की शिकायत कलेक्टर छिंदवाड़ा को भी हितग्राहियों ने दी है। वहीं निर्माण सामग्री बेचने वाले हितग्राहियों से पैसा लेने के लिए थंब मशीन लेकर हितग्राही के घर पहुंच जाते हैं और हितग्राही का अंगूठा लगवा कर बेची गई निर्माण सामग्री का भुगतान मनमाने तरीके से निकलवाते हैं। ऊपर से 10 हजार रुपए पर 300 अतिरिक्त शुल्क भी जनमन आवास के हितग्राही को महंगी निर्माण सामग्री के साथ-साथ अंगूठा लगाने का भी 300 अतिरिक्त देना पड़ रहा है जिससे उनको मकान बनाने में बजट गड़बड़ा रहा है।

यदि निर्माण सामग्री बेचने वाले दलाल एवं थंब मशीन से अनावश्यक रूप से भुगतान निकालने वालों की जांच की जाएगी तो पता चलेगा कि निर्माण सामग्री और भुगतान किस थंब मशीन धारक के खाते में गया है। बाजार भाव से दोगुने दाम पर निर्माण सामग्री बेचने पर कार्यवाही होगी।

खबर संक्षेप

पक्के बिल देने से कतरा रहे व्यापारी

गाडरवारा। शहर सहित क्षेत्र के बाजारों में बढ़ रही बाजारो की चकाचौंध बढ़ने के साथ ही आस पास के गॉवो में स्थित दुकाने भी आधुनिक दौर की मनचाही चीजो से सजने लगी है, जीवन शैली बदलने, उपभोक्ता वादी संस्कृति की वजह से बाजार का विस्तार हो रहा है, यह बात अपनी जगह सही है किन्तु हकीकत यह है कि चमकते, दमकते बाजार में वर्तमान में उपभोक्ता की हैसियत ऐसी आदमी की रह गयी है, जो चुपचाप बिना मोलतोल किए अपनी जरूरी की चीजें खरीदकर घर वापिस हो जाते है, जाहिर है व्यापारी मुनाफा कमाने के चक्कर में इतनें संबेदन हीन हो गए है कि उन्हे उपभोक्ताओं को हितों को नजर अंदाज करने में मजा आ रहा है, जिसका नतीजा है कि उपभोक्ता ठगे जा रहे है और कई तरीकों से उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है? बाजार में पत्थरो के बॉटो का चलन बरकार है, डिब्बे सहित मिठाईयॉ तौली जा रही है, एक ही चीज पर विभिन्न तरह के लेबिल लगाकर उन्हे बेरोक टोक बेचा जा रहा है? लुभावने विज्ञापनो के जरिए बिना गारंटी की वस्तुएँ थमायी जा रही है, यही नहीं कोई भी सामान खरीदने पर आमतौर पर व्यापारी पक्का बिल देने से कतरा रहे है, जिससे शासन को प्रतिदिन लाखों का चूना लग रहा है, वही दूसरी ओर इन बातों से अंजान बना प्रशासन मूक दर्शक बनकर उपभोक्ताओं के हितों पर लगातार प्रहार होने का तमाशा देख रहा है, जिसके चलते आये दिन आम उपभोक्ता लुटने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है?

ग्रामीण क्षेत्रों में कागजों के हिसाब से तो नियुक्त है स्वास्थ्य कर्मी

गाडरवारा। क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में अनेक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापति किये गये है, मगर यदि ईमादारी से देखा जावे तो इन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ चरमरा रही है? एक तरफ मौसमी बीमारियों का प्रकोप होने के साथ साथ इस समय कोरोना वायरस की दहशत संपूर्ण क्षेत्रवासियों को दहशत में डालने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कमी नर्स व मलेरिया वर्कर अपने मुख्यालय से गायब रहतें है? ऐसे में टीकाकरण सहित शासन द्वारा ग्रामीणजनों के नाम पर चलााई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का क्या हाल होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है, शायद ही इसका किसी के पास कोई जबाव हो? वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस समय लगातार फैल रही मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ते हुये क्रम में देखने मिल रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई प्रसूताओं व शिशुओं के लिए टीकाकरण में भी देखने मिल रही है जो ग्रामीण क्षेत्रों में शायद ही कभी निर्धारित तिथि पर लगते हुये देखे जा रहे हो, इस सच्चाई को लेकर बताया जाता है कि गॉवों में प्रसूताओं को नर्से बजाय शासकीय दवाएँ उपलब्ध कराने के बाजार की दवाएँ मगवाती है जबकि गौर किया जावे तो राज्य सरकार का कहना है कि अस्पातालों के भण्डारण में सभी आवश्यक दवाएँ उपलब्ध है मगर इसके बाद भी प्रसूताओं एवं रोगियों के लिए ये दवाएँ गॉवों में पहुँच रही है कि नही इस बात का पता नही चल रहा है कि आखिर में ग्रामीणों को मिलने वाले दबाईयाँ कहा चली जाती है? इस प्रकार से प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीणों के हितों को ध्यान में रखते हुए चलाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की योजनाओं पर जहां प्रश्न चिन्ह लगते हुए जान पड़ रहा है।

एटीएम के अभाव में परेशान क्षेत्रवासी

खुलरी। जहां एक ओर शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार का प्रयास है कि हर व्यक्ति को लाभ बैक के माध्यम से प्राप्त हो जिसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके और हर व्यक्ति शासन की योजना का लाभ अपने खाते के माध्यम से ले सके। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि खुलरी क्षेत्र में स्थित बैक द्वारा अभी तक एटीएम की सुविधा प्रदान नही किये जाने के कारण लोगों को अपने खातों से राशि निकालने के लिए भटकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से मिलने वाली राशि की आस

हितग्राही अपने कच्चे मकान तोड़कर तम्बू में समय काटने के लिये हुये मजबूर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

अक्सर सुना जाता है कि बारिश व गर्मी आने के पहले अपने बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए मूक पशु व पक्षी भी घोषला तैयार कर लेते है कि उनके मासूम बच्चों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर न होना पड़े। मगर इस समय जिस शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि मकान विहीन हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिलने वाली राशि की आस में अपने आशियानों को तोड़कर जिस तरह वह तम्बूओं के भरोसे अपना समय काट रहे है क्या वह आने वाली भीषण गर्मी का सामना कर पायेगे? क्योंकि इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जिस प्रकार से देश के प्रधानमंत्री द्वारा हर गरीब व कच्चे मकानों में रहने वाले लोगों को पक्के मकान देने की जो योजना शुरू की गई है इस योजना से उन गरीबों के चेहरों पर मुस्कान तो दिखाई दे रही है जो कभी पक्के मकान में रहने की कल्पना तक नही कर सकते थें। मगर देश के प्रधानमंत्री द्वारा आवास योजना की शुरूआत करते हुए गरीबों के सपने को साकार करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। वही दूसरी ओर इस योजना के सही क्रियन्वयन को लेकर नगर पालिका व परिषदों से लेकर ग्राम पंचायतों द्वारा अपनाई जा रही कार्य प्रणाली के चलते देश के प्रधानमंत्री की यह योजना गरीबों को परेशानियों में डालते हुए दिखाई देने लगी है? क्योंकि क्षेत्र के अनेक हितग्राहियों द्वारा जिस प्रकार से अपने कच्चे आवासों को तोड़ते हुए पक्के आवास बनाने का जो सपना संजोकर रखा गया है उसे ग्रहण लगते हुए दिखाई देने लगा है? क्योंकि आवास योजना के नाम पर मिलने वाली राशि की आस में आवास विहीन होकर अपने मासूम बच्चों के साथ तम्बू में रहने वाले इन गरीबों द्वारा किसी भी प्रकार से ठंड का समय तो काट दिया मगर आने वाली दिनों में भीषण गर्मी की तपती दोपहरी कटना मुश्किल होने से नही चूक पायेगा? क्योंकि नगर परिषदों से लेकर ग्राम पंचायतों द्वारा जिस तरह से हितग्राहियों के खातों में राशि पहुंचने को लेकर कोताही बरती जा रही है उसके चलते अनेक हितग्राहियों के आधे अधूरे भवनों का निर्माण कार्य जैसे का तैसा पड़ा हुआ है तो दूसरी ओर अनेक लोगों का हाल इस तरह बना हुआ है कि लेंटर नही डलने से वह पन्नी डालकर निवास करते हुये देखे जा रहे है जिन्हें चिंता इस बात है कि आखिर कार वह आने वाले दिनों की भीषण गर्मी में मासूम बच्चों की सुरक्षा कैसे कर पायेगे? इस संबंध में प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल हितग्राहियों द्वारा बताया गया है कि कुछ समय पूर्व क्षेत्र के जिम्मेदारों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में शामिल हितग्राहियों को आवास पट्टे वितरण करते हुए कहा गया था कि उनके खातों में आवास निर्माण कराने के लिए शीघ्र राशि भी पहुंच जावेगी। मगर आवासों के निर्माण हेतु अभी तक खातों में राशि नही पहुंचने की बात को लेकर जब नगरी क्षेत्र में परिषद व ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत व जनपद के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा यही कहा जाता है कि पहले आप लोग अपने पुराने कच्चे मकानों को तोडले इसके बाद भी आप लोगों के खातों में राशि डाली जावेगी। जिसके चलते अनेक हितग्राहियों द्वारा अपने आवासों को तोड़कर वह अपना निवासी तम्बू लगाकर कर रहे है। मगर इसके बाद भी हितग्राहियों के खातों में राशि नही पहुंचने के कारण हितग्राहियों को अनेक प्रकार की चिंताये सताने लगी है? इस संबंध में कुछ हितग्राहियों द्वारा जिम्मेदार अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर आरोप लगाते हुए बताया है कि संबंधित कार्य से जुडे हुये कर्मचारियों द्वारा हितग्राहियों के खातों में राशि पहुंचाने में पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है और अपने तिहैषी व मुह देखते हुए राशि पहुंचाई जा रही है जिसके चलते जहां अधिकारियों की इस कार्य प्रणाली के चलते हितग्राहियों में अधिकारियों के प्रति आक्रोश का वातावरण निर्मित होने लगा है? वही दूसरी ओर अधिकारियों द्वारा कुछ हितग्राहियों को तो इस योजना में इस प्रकार से शामिल कर लिया गया है जिनके पास कई एकड़ जमीन व पक्के मकान होते हुए भी उनके भवनों के निर्माण हेतु राशि प्रदान कर दी गई है। इतना ही नही जिन लोगों को आवास योजना का लाभ दिया गया है और उन्होंने अपने मकानों को बनाया गया है वह प्रधानमंत्री आवास योजना के नियमों के विपरित देखने मिल रहे है। क्योंकि प्रधानमंत्री आवास योजना के नियम अनुसार जिस व्यक्ति के पास पट्टा या फिर जमीन होती है उन्ही को इस योजना का लाभ दिया जाता है। मगर यहां पर तो प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि से बिल्डिगों के ऊपर बिल्डिगे बन रही है? यदि नपा से लेकर पंचायतों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के लिये बनाई गई हितग्राहियों की सूची की निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो निश्चित ही चौकाने वाली सच्चाई सामने आने से नही चूक सकती है कि आखिरकार शासन की राशि का किस प्रकार से बंदर बांट किया जा रहा है, जिसके चलते जहां शासन की इस योजना से सही पात्र हितग्राही बंचित नजर आ रहे है और अपात्रों को लाभ मिलने से उनके आवास तैयार हो रहे है? इस प्रकार से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हर झोपड पट्टी वाले लोगों को पक्के आवास देने के लिए संजोये गये सपने को अधिकारियों द्वारा धडल्ले से ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? इस तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों द्वारा खाई जाने वाली मलाई को लेकर तहसील से लेकर जिला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा भी पूर्णरूप से चुप्पी साध ली गई और इसी का परिणाम है कि इन कर्मचारियों की मनमानी पूर्णरूप से हाबी होते चली जा रही है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का 172 मरीजों को मिला लाभ, प्रदान की गई दवाई

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि दूसरे शहरों में निवास करने वाले अनेक जाने वाने चिकित्सको द्वारा जहां तहां निःशुल्क जांच शिविर तो लगाये जाते है। मगर उन शिविरों में मरीजों की जांच करने के बाद उन्हें अपनी चिकित्सालयों में आने के लिये बोलने से नही चूकते है। सही मायने में देखा जावे तो इन डाक्टरों के द्वारा शिविरों के माध्यम से अपने ग्राहक तैयार किये जाते है। मगर श्री सत्य साई भजन मंडली द्वारा जिस तरह हर माह के पहले रविवार को जो शिविर लगाया जाता है उसमें मरीजों को पूर्णरूप से निःशुल्क उपचार के साथ साथ दबाईयाँ देते हुये डाक्टरों द्वारा अपनी अस्पातलो के लिये किसी भी प्रकार से आमंत्रण नही दिया जाता है। इस तरह के शिविरों को ही समाज सेवा का नाम दिया जाता है। बताया जाता है कि श्री सत्य साई भजन मंडली कान्हरगाव के साई युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है को चरितार्थ करते हुये। माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन हर माह के पहले रविबार किया जाता है। उसी क्रम में बीते हुये रविबार 57 वें मेडीकल कैम्प का आयोजन किया गया। हर माह की भांति इस माह आयोजित हुये इस निःशुल्क उपचार शिविर में 5 शहरों के आलवा 40 गावों के लगभग 172 मरीजों ने पहुंचकर अपना उपचार करवाया तो दूसरी ओर साई युवाओं द्वारा नि शुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। वही पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये यह मेडीकल केंप पालिथिन मुक्त रहां। सभी मरीजों को कागज के पाकिट एंव कपड़े के थेले में दवाईयां वितरित कि गयी। इस निःशुल्क मेडीकल कैम्प में डाक्टर एपी, सिंग के आलवा महिला रोग विशेषज्ञ डा,स्वाती कुरचानिया, शिशु रोष विशेषज्ञ डा,उपेन्द्र बस्त्राकार, डा,ज्योति पुआरे, डा,अरूण दोहरे के साथ उनके सहयोगी राहुल गोस्वामी, बबलू भाई दबाई बाले,कमलेश सोनी जन स्वास्थ्य रक्षक सहित भजन मंडली कान्हरगांव के साई युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान कि। इस मेडीकल कैम्प में पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, छिंदवाडा, देवरी, कैलकच्छ, जमुनिया, मुर्गीढाना, कोटरी, चांदनखेडा, सूखाखैरी, हीरापुर, मनकापुर, जमडा, मछेरा, कामती, बोदरी, दहलवाडा, दिघोरी, बनवारी, ढाना, बारहाबडा, पिठवानी, धनौरा, खैरीकला, सिंहपुर, टोला बाबा, गोटीटोरिया, महगंवा कला, महगंवा खुर्द, कठौतिया सहित अन्य जगहों से पहुंचे मरीजों को लाभ मिला।

नगर में बह रही भक्ति रस के आनंद की गंगा में गोता लगाने उमड़ रहा जन सैलाब

इस कलयुग काल में संत महात्माओं के दर्शन से मिलता है पुण्य—स्वामी इंद्रदेव महाराज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

चल रहे बैशाख माह के दौरान नगर ही नही बल्कि संपूर्ण क्षेत्रवासी जिस तरह भक्ति रस की बह रही गंगा में गोता लगाते हुये देखे जा रहे है उसके चलते शहर का महौला धर्ममय होते हुये देखने मिल रहा है। शहर के शनि मंदिर के पास एनटीपीसी आडिटोरियम के सामने नामदेव परिवार द्वारा आयोजित कराई जा रही 7 दिवसीय संगीतमय श्रीमद भागवत कथा में जहां जन सैलाब उमड़ते ये देखा जा रहा है। वही रविवार को कथा के पांचवे दिवस कथा वाचक महामंडलेश्वर स्वामी इंद्रदेव सरस्वती महाराज ने भगवान कृष्ण के जन्म के बाद की कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान कृष्ण के जन्म से गोकुल में खुशी एवं मथुरा में दुख का माहौल है। कंस बहुत दुःखी है। क्योंकि उसके मृत्यु का समय समीप आ चुका है। क्योंकि दुष्ट कर्म एवं विचार बहुत दिनों तक साथ नही देते है एक दिन अंत जरूर होता है। कभी भी व्यक्ति को अपने धर्म सहित माता पिता का विरोध नही करना चाहिये और जो इनका विरोध करता है उसे समाज मे अपयश मिलता है। संत आचार्य एवं ब्राह्मण का हमेशा सम्मान करना चाहिए यदि उनका अपमान होगा तो कंस की तरह रोना पडेगा। जीवन में सफलता के लिए संत महात्माओं का सत्संग जरूरी है। उनके दर्शन से पुण्य मिलता है। इस दौरान उंन्होने आगे कहा कि श्रीमद भागवत कथा से समाज मे सुधार होना चाहिए तभी कथा आयोजन की सार्थकता है। वैसे तो भगवान जन्म लेने के लिए मानव का शरीर पसंद करते है कलियुग में भगवान मानव के शरीर से नाराज चल रहे है क्योंकि कलयुग में मानव शरीर अनेक प्रकार की बीमारियों से ग्रसित हो चुका है। इस दौरान स्वामी इंद्रदेव महाराज ने श्रोताओं को श्रीमद् भगवात कथा में अपनी अमृत भरी वाणी से भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन सुनाते हुये भाव विभोकर कर दिया गया। इस दौरान उन्होंने बताया कि भगवान द्वारा पूतना का बध देखते ही देखते कर दिया गया था तो दूसरी ओर गोकुल के बच्चों के साथ खेलते हुये वह अनेक प्रकार की इस तरह लीलाये करते थें लोग हैरत में पड़ जाते और माता चिंता में। मौजूद श्रोताओं को गोवर्धन पूजा का वर्णन बताया कि आखिर कार भगवान कृष्ण द्वारा अपनी बाल अवस्था में जिस तरह से लीलाये दिखा रहे थें उससे सभी लोग हैरत में पड़ने से नही चूकते थें। वही महाराज द्वारा गोवर्धन पूजा की कथा सुनाते हुए कहा कि गोवर्धन लीला ज्ञान भक्ति बढ़ानेवाली लीला है। इस दौरान उन्होंने कहा कि गोवर्धन लीला से इंद्र के साथ जगत को श्रीकृष्ण के स्वरूप का और सामर्थ्य का ज्ञान हुआ। गोवर्धन पूजा प्रकृति की पूजा है। शरीर पांच महाभूतों से बना है और इन्हीं के कारण टिका हुआ है। यह उत्स (स्त्रोत) है और इस उत्स से नाता तोड़ा तो अस्तित्व नहीं टिकेगा। गौमाता के महत्व का वर्णन सुनाते हुये कहा कि हमारे घर में जब गाय होती है तो मानों चारों धाम के देता मौजूद रहते है। कभी भी घर में लगे हुये तुलसी को पेड़ व गाय को पशु समझने की भूल नही करना चाहिये। क्योंकि तुलसी के पेड़ वह शक्ति होती है कि लोग अनेक बीमारियों से निजात पा सकते है और इसी प्रकार से गाय माता के दूध को पीकर ही हम लोग बुद्धिमान व शक्ति शाली बनते है। वही गाय के गोवर से यदि जिस किसी के घर का द्वार लीपा गया है तो उस घर में भगवान वास करते है। मगर लगातार डिजिटल होते चले जा रहे समय में महिलाये गाय का गोबर छूने से डरती है में तो कहता है कि जो महिलाये प्रतिदिन अपने हाथ से गाय का गोबर उठाती है उनके अनेक प्रकार के चर्म रोगों छू भी नही सकती है गाय माता के गोबर में वही शक्ति होती है।

सीएम राइज विद्यालय में जारी है समर कैंप की गतिविधियां, रुचि अनुसार छात्र- छात्राओं द्वारा की जा रही सहभागिता

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश के निर्देशन में सीएम राइज विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अकादमिक गतिविधियों के अतिरिक्त प्रतिभा को पहचान कर उनकी रूचि को निखारने के लिए विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन शाला स्तर पर 15 मई तक प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक किया जा रहा है। समर कैम्प में गत वर्ष के अनुभव के आधार पर कुछ नये विचारों के साथ एक्सपीरियंशल कैम्प एवं एक्सप्लोरर कैम्प के अंतर्गत गतिविधयों का संचालन किया जा रहा है। तो दूसरी ओर जिला शिक्षा अधिकारी एचपी कुर्मी द्वारा विद्यालय स्तर पर आयोजित समर कैंप की सतत समीक्षा की जा रही है। सीएमराइज विद्यालय सांईखेड़ा के प्राचार्य श्री चंद्रकांत विश्वकर्मा ने बताया कि समर कैंप में व्हालीबॉल, बैडमिंटन, नृत्य, कत्थक, क्लासिकल संगीत, पुस्तक रिव्यू जैसी गतिविधि संचालित की जा रही हैं। समर कैंप में प्रतिदिन 80 से 95 प्रतिभागी गतिविधियों में सहभागिता कर रहे हैं। समर कैम्प में छात्र-छात्राओं द्वारा म्यूजिक, डांस, मधुबनी एवं शिल्पकला, थियेटर, केलीग्राफी- सुलेख की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। शिक्षकों और रिसोर्स पर्सन द्वारा विद्यार्थियों की चयनित थीम के आधार पर विभिन्न कौशलों में दक्ष बनाया जा रहा है। कक्षा 9 वीं से 12 के विद्यार्थियों को लोककला के अंतर्गत मधुबनी व चित्रकला में मार्गदर्शन दिया जा रहा है। कक्षा 6 वीं से 8 वीं तक के विद्यार्थियों को क्रियेटिव राइटिंग स्किल सिखाया जा रहा है। कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को इंडोर गेम का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। माय क्म्यूनिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत बांध व बिजली टावर का मॉडल, जंगल व जानवरों के माडल, मधुवनी चित्रकला के अंतर्गत दुल्हन की डोली ले जाते कहारों का चित्रण, वन में तपस्यारत बुद्ध का चित्रण की गतिविधियों के साथ लूडो, कैरम, योग और एरोबिक खेल में विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता की जा रही है। समर कैंप के प्रथम सत्र में योगाभ्यास किया जा रहा है और सभी सत्रों में रूचि लेकर अपने व्यक्तित्व के नये आयामों को जानने व समझने और सीखने का अवसर मिल रहा है।

किसानों को सिंचाई के लिये मिल रही महज दो घंटे बिजली, इस स्थिति में कैसे उभर पायेगी अन्नदाता की जिन्दगी

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। इस बात से इंकार जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपने बिलों की बसूली न की जावे वह तो बिजली बिलों की बसूली करने में कोई कसर न छोड़े मगर किसानों को बिजली भी तो उपलब्ध कराई जावे बगैर बिजली दिये हुये बिलों की बसूली क्या उचित है? क्योंकि इन दिनों बिजली विभाग द्वारा किसानों से बिलों की बसूली तो लगतार की जा रही है मगर उन्हें मात्र चंद घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने से वह अपनी जिन्दगी कैसे संभाल पायेगे। क्योंकि गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कौड़िया, सिहोरा, सडूमर, भौरझिर सहित आसपास के अनेक गांवों के किसानो को सिचाई के लिये महज दो घंटे बिजली ही नसीब हो रही हे इससे अंदाजा लगाया जा सकता हे की किसान कैसे अपनी फसलो की सिचाई कर पाते होगे इन ग्रामो के किसानो का कहना हे की उनके क्षेत्र की बिजली सफलाई जोड़ी गयी हे जो काफी लम्बी दुरी तय करती है जिसमें आये दिन खराबी होने के कारण बंद होने के बाद सुधार नही हो पाता है। वही बताया गया हे की रात में बमुश्किल दो घंटे ही सिचाई के लिये बिजली मिल पाती हे जिससे खेत की एक शिफ्ट भी पूरी तरह से सिचाई नही हो पाती है जिसके चलते खेतो में खड़ी हुई मूंक फसल खराब होने से नही बच पा रही है। यहां के अनेक किसानो ने अपनी जानकारी में बताया की दिन में भी इसी तरह के हालात बनते है कि दिन के समय अधिकतर बिजली की कटोती कही मेन्टेनेस के नाम पर तो कही लाइन खराब होने का बहाना बनाकर काटी जाती है। क्योकि इस समय देखा जावे तो किसानों के खेतो में जहां मूंग फसल लगी हुई तो अनेक किसानों ने अन्य प्रकार की फसलों की बोनी कर दी गई है जिसे इस समय पड़ रही गर्मी के दौरान सिंचाई की जरूरत है मगर किसानों को मात्र चंद घंटे ही बिजली उपलब्ध होने से फसले खराब होते हुये नजर आने लगी है। इस तरह अनेक गांवों में बोल्टेज की समस्या के चलते किसानों के नलकूपों की मोटरे ही नही चल पा रही है अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि किसान अपने खेतों की सिंचाई कैसे कर पायेगे। जबकि देखा जावे तो बिजली विभाग द्वारा जिन किसानों के बिल बकाया है उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुये उनकी कुर्की करने में कोई कसर नही छोड रहा है तो दूसरी ओर यदि बिल जमा करने में एक दिन की देरी हो जाती है तो पेनाल्टी के साथ बसूली की जाती है मगर जब बिजली विभाग द्वारा निर्धारित मात्रा में बिजली उपलब्ध कराये जाने में बरती जा रही कताही के बाद भी बिजली विभाग पर कार्यवाही क्यों नही होती है।

खबर संक्षेप

डिप्टी रेंजर ने रातभर बुझाई जंगल की आग

डिंडौरी। जंगल मे लगी आग को रातभर बुझाने की मशक्कत एक डिप्टी रेंजर की मौत का सबब बन गई। मामला सामान्य वनमंडल अंतर्गत शाहपुर वन परिक्षेत्र का है। जहां 1 मई बुधवार को कक्ष क्रमांक 117 बूढ़न के जंगल मे आग लगने की सूचना पर वन पाल राजेंद्र कुसरे अपने अमले के साथ मौके पर पहुंचे थे और रातभर जंगल मे फैली आग को बुझाने में जुटे रहे। अपने कर्तव्य को अंजाम देने के बाद वन पाल राजेन्द्र सुबह घर लौटे तो उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था। दोपहर तक उनकी अचानक तबियत ज्यादा खराब होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय डिंडोरी में भर्ती कराया गया। जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत के साथ लकवा के लक्षण की पुष्टि की थी और बेहतर उपचार एवं जांच हेतु जबलपुर रेफर किया गया। परिजनों और स्टॉफ की मदद से जबलपुर पहुंचे श्री कुशरे की जांच के दौरान डॉक्टर ने उनके मस्तिष्क में खून का थक्का जमने की जानकारी देकर ऑपरेशन की सलाह दी थी। यहाँ भी तबियत में सुधार नहीं होने की वजह से उन्हें नागपुर इलाज हेतु ले जाया गया था। जहाँ इलाज के दौरान रविवार को राजेंद्र कुसरे की मौत हो गई। वन पाल राजेन्द्र कुशरे के निधन पर वन अमले ने गहरा शोक जताया है।

11 मई से 11 जून तक आयोजित होगा संस्कार समर कैंप

डिंडौरी। जिला प्रशासन डिंडोरी द्वारा अभिनव पहल कर आज रविवार को आनंदम दीदी कैफे डिंडोरी में 11 मई से 11 जून 2024 तक ष्संस्कार समर कैंपष का आयोजन किया जाएगा । इस कैंप में बच्चों को जीवन कौशल, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक और विविध अनुभव हेतु सुरक्षित वातावरण में मनोरंजन के साथ विशिष्ट कौशल को निखारने का अवसर मिलेगा। ष्संस्कार समर कैंपष का समय प्रतिदिन शाम 4 बजे से 6रू30 बजे तक रखा गया है, इस हेतु बच्चों को आयु सीमा 8 वर्ष से 15 वर्ष रखी गई है। कैम्प में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों का पंजीयन , 4 मई से 9 मई तक किया जा रहा है,जिसका पंजीयन शुल्क 500 रुपए निर्धारित है। इसमें विशेष रूप से प्रति शनिवार को फन विजिट और रविवार को मूवी शो का कार्यक्रम रहेगा। ष्संस्कार समर कैंपष में बच्चों के लिए विभिन्न विधाएं शामिल की गई है, जिसमें डांस, मेंहदी, पेंटिंग, क्रॉफ्ट, ब्यूटीशियन, सांस्कृतिक नृत्य, सिंगिंग, प्ले म्यूजिक (हारमोनियम, ढोलक, तबला), ज्वेलरी मेकिंग, कबाड़ से जुगाड, लेखन - हिंदी अंग्रेजी, स्पोकन इंग्लिश, योगा, एरोबिक, पर्सनालिटी डेवलपमेंट शामिल है। विद्यार्थी कोई भी चार विधाओं में भाग ले सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए सुझाव में बताया गया है कि सभी अपने साथ बैग में पानी की बॉटल और अन्य आवश्यक सामग्री साथ लेकर आएं। उक्त कैंप हेतु अधिक जानकारी के लिए मो.नं. 9424341035, 9752602060, 9424924271, 9424931553, 9425432175 भी उपलब्ध है।

दो दिवसीय पुस्तक मेले का हुआ समापन

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में निजी स्कूलों, प्रकाशकों और किताब कॉपी विक्रेताओं और स्कूल गणवेश विक्रेताओं के द्वारा दो दिवसीय पुस्तक मेले का समापन दीदी कैफे में किया गया, पुस्तक मेले के तहत विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने उचित मूल्यों पर पुस्तकें, यूनिफार्म, कापियां एवं स्टेशनरी आदि सुलभ रूप से उपलब्ध कराये गए। राज्य शासन के निर्देशानुसार पुस्तक मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया,जिसमें अभिभावकों और विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर उत्साह के साथ लाभ उठाया। पुस्तक मेले में कलेक्टर विकास मिश्रा ने भाग लिया, उन्होंने बच्चों के लिए शिक्षाप्रद कहानियों की पुस्तकों को खरीद की, ज्ञात हो की कलेक्टर विकास मिश्रा बच्चों को निरंतर पुस्तकों का वितरण करते है। आज पुस्तक मेला में पुस्तकों, कॉपीयों और गणवेश पर भारी छूट दी गयी थी, सभी विक्रेताओं और अभिभावकों ने पुस्तक मेले के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

शिक्षा विभाग की लापरवाही के चलते

एक ही स्कूल के 47 बच्चे हुए अनुतीर्ण

पड़रिया कला गांव के विद्यालय का है मामला

हरिभूमि न्यूज शहपुरा।

डिंडोरी जिला के शहपुरा विकासखंड अंतर्गत विद्यालय पड़रिया कला का स्कूल कक्षा आठवीं में बच्चों की जनसंख्या 47 है जिसमें से 46 बच्चों ने परीक्षा भी दिए लेकिन वहां के हेड मास्टर प्रोजेक्ट के नंबर ना जोड़ने के कारण पूरे बच्चे अनुउत्रीण हो गए हैं जिसके चलते बीआरसी शहपुरा ने संबंधित हेडमास्टर को कारण बताओं नोटिस भी जारी किया है शिक्षा विभाग के इस लापरवाही के चलते अभिभाविकों को अपने बच्चों के भविष्य चिंता सता रही है।

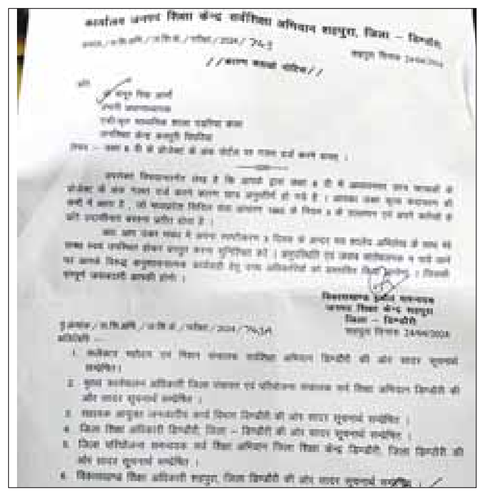

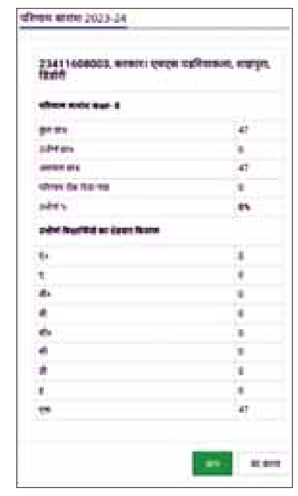

इनका कहना है

तकनीकी कारण के चलते यह समस्या उत्पन्न हुई है और फिर से पुणे पोर्टल ओपन हो चुका है उन बच्चों का नंबर दर्ज किया जा रहा है।

-कपूर सिंह आर्मो
हेड मास्टर माध्यमिक शाला पड़रिया कला

हेड मास्टर कपूर सिंह को कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया गया है साथ ही पोर्टल ओपन हो चुका है जिसमें जिन बच्चों का प्रोजेक्ट का नंबर नहीं जुड़ा था उनका 9-10 तारीख के अंदर अंक को जुड़वा दिया जाएगा।

-गुरु साहू
बीआरसी शहपुरा

अब बैगा जनजाति के विद्यार्थी भी दे सकेंगे प्रतियोगी परीक्षाएं

बैंगा जनजाति के विद्यार्थियों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन

डिंडौरी। शासकीय महाविघालय बजाग में रविवार को स्वामी विवेकांनद कैरिअर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तहत बैगा जनजाति के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं हेतू विशेष कार्यशाला का आयोजन कॉलेज प्राचार्य डॉ मनोज कुशवाहा के मार्गदर्शन में किया गया। सर्वप्रथम अग्निवीर परीक्षा में शारिरिक दक्षता व लिखित परीक्षा की तैयारी के सबंध में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया इसके साथ ही अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं राज्य लोक सेवा आयोग, शिक्षक वर्ग-1,वर्ग-2 एवं वर्ग-3, पटवारी, एसएससी, रेल्वे जैसी अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में ना केवल विस्तार से जानकारी दी गई बल्कि उनसे सबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों को भी कार्यशाला अवलोकानार्थ उपलब्ध कराया गया। प्रतियोगी परीक्षाओं में किस प्रकार के प्रश्न आते है। किन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ज्यादातर प्रश्न पूछे जाते है उनको सरलता सें कम समय में किस प्रकार तैयारी की जा सकती है इसके बारे में विस्तार से बताया गया है। बैगा जनजाति के छात्राओं ने शिक्षक वर्ग - 1,2,3 , महिला बाल विकास जबकि छात्रों ने भारतीय सेना, वकील , नेवी, मेट्रो एवं शिक्षा के क्षेत्र मे जाने की इच्छा व्यक्त की। पुस्तकालय अध्यक्ष सतीश वर्मा ने जीके कम्पूयटर से सबंधित महत्वपूर्ण जानकारी व पुस्तकों के सबंध मे बताया। प्रतियोगी परीक्षाओं से सबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकें जैसे सुभाष कश्यप, आर.एस.अग्रवाल, एससी सिंहा, विपिन चन्द्रा दंत, सुंदरम एवं अन्य महत्वपूर्ण पुस्तके अवलोकनार्थ उपलब्ध कराई गई।

बजाग जनपद मुख्यालय सहित 40 ग्राम पंचायतों में नल जल योजना बंद

बैगाचक अंचल में पानी की भारी किल्लत

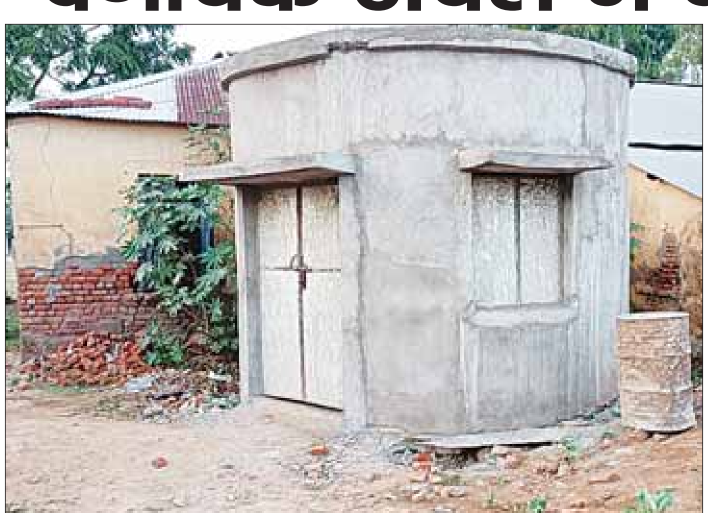

अधिकारियों के लगातार दौरों के बावजूद पी एच ई विभाग सुस्ती में

हरिभूमि न्यूज बजाग।

गर्मी का मौसम चरम पर है वहीं अभी के लगभग गर्मी बची है वहीं बजाग अंचल में हर वर्ष की तरह ही लोग पीने के पानी की भारी समस्या से जूझ रहे हैं बैगाचक के अनेक ग्रामों के अलावा बजाग मुख्यालय में ही विभिन्न वार्डों में पानी की भारी किल्लत है।

जल जीवन मिशन योजना कुछेक गांवों को छोड़कर पूरे जनपद क्षेत्र में धराशाई है, वहीं पानी टंकी और पाईप लाईन अनेक पंचायतों में शो पीस बनी हुई है। वहीं डिंडोरी कलेक्टर विकास मिश्रा के लगतार प्रयास के बावजूद विभाग एवं ठेकेदारों की लापरवाही के कारण क्षेत्र में बन रही पानी टंकी और पाईप लाईन के कामों में कोई प्रगति नहीं दिख रही है। अनेकों योजनाओं के काम या तो सालों से शुरू नहीं हो सके हैं या फिर निर्माणाधीन अवस्था मे महीनों से ठप्प पड़े हैं।

बजाग नगर में सूखा बोर नल जल योजना ठप्प

तीन ग्रामपंचायतों से मिलकर बना बजाग नगर इन दिनों पीने के पानी की भारी कमी से जूझ रहा है। पुरानी नल जल योजना का बोर हर साल गर्मियों की शुरुआत में ही सूख जाता है, जबकी चकरार नदी से पानी देने वाली तीन पंचायतों की लगभग साढ़े 3 करोड़ रुपये की योजना चार वर्ष बीतने के बाद भी अभी तक विभाग की उदासीनता और ठेकेदार के निकम्मेपन के कारण शुरुआती चरण में ही है। दो वर्षों से सामान आकर पड़े पड़े जंग खा रहा है लेकिन विभाग और ठेकेदार दोनों को फुरसत ही नहीं कि इस कार्य को गती मिले, इस वजह से बजाग रैयत, बजाग माल और पड़रिया डोंगरी की 8000 से ज्यादा आबादी को पेयजल के लिए तरसना पड़ रहा है। स्थानीय जनपद सदस्य लोकेश पेटरिया बताते हैं। कि विभाग में जब भी शिकायत करो रटा रटाया जवाब आता है कि ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड कर रहे हैं। पिछले साल कलेक्टर महोदय ने जनप्रतिनिधियों की बैठक ली उसमें भी जहाँ ज्यादा समस्या है उन वार्डों में हैंडपम्प खनन के लिए विभाग को लिख कर दिया गया है। लेकिन एक साल बीतने के बाद भी ना तो ठेकेदार ने कार्य पूरा किया ना ही किसी वार्ड में हैंडपम्प का खनन हुआ। जनपद सदस्य ने बताया कि बजाग रैयत के वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 9, 11 में पानी की भारी समस्या है इसी तरह बजाग माल में ठाकुर देव वार्ड, पटेल मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 8 और आवास मोहल्ला में पानी की कमी है। पड़रिया डोंगरी में वार्ड क्रमांक 1, 3, 9 में पानी की भारी कमी है। इक्का दुक्का चालू हैंडपम्पों में रोज पानी के लिए झगड़े हो रहे हैं।

जलजीवन के कामों में सुस्ती

बजाग क्षेत्र में केवल सारंगपुर के बड़े टोला, विक्रमपुर, आमाडोंगरी, घोपतपुर में ही पानी की सप्लाई चालू है। जबकि, अंगई, सारंगपुर आमाटोला आवास टोला, केरी टोला टिकरा टोला, चाँडा, पिपरिया, अंगई, दुललोपुर सहित बिजौरा में योजनाएं बन्द पड़ी हुई हैं। इसके अलावा अनेक ग्राम पंचायत में काम अधूरे पड़े हुए हैं। जिनके सुधार के लिए विभाग की ओर से या पंचायतों की ओर से कोई प्रयास नही किये जा रहे। जबकि पंचायतों में 15वें वित्त के तहत सुधार के लिए राशी हर वर्ष दी जा रही है। पड़रिया डोंगरी में पानी की टँकी बने 14 साल हो गए लेकिन आज तक एक दिन भी पानी की सप्लाई नही हुई ।

ग्राम पथरिया जहाँ पानी की भारी किल्लत है मात्र एक हैंडपम्प के सहारे सैकडों परिवार चल रहे हैं। पथरिया का भर्रा टोला और बिलाई खार का आवास टोला, यहाँ आजादी के बाद कभी कोई गाड़ी बोर करने ही नहीं गई दो किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर हैं यही हाल टिकली खेरो, बिही दादर, बिजली देहान, बैगान टोला खपरी पानी, और पिपरिया पंचायत के विभिन्न टोलों का है।

पथरिया में जल जीवन के तहत टँकी बनी है लेकिन काम दो माह से बन्द है, बिलाई खार में दो माह से बोर होने के बाद भी योजना का काम ज्यों का त्यों पड़ा है। कुकरिया में पाइप लाइन डाल कर ठेकेदार गायब है। मान गढ़ और दुल्लोपुर खिरसारी और बिजौरा में भी जल जीवन का काम ऐसा लगता है जैसे सालों में पूरा होगा। अधिकारियों की निष्क्रियता और ठेकेदारों की मनमर्जी का खामियाजा जन मानस को उठाना पड़ रहा है। कलेक्टर महोदय द्वारा दिये गए निर्देशों के बाद भी कोई काम ना होना और लोगों को लाभ ना मिल पाना पीएचई के ठेकेदारों की तानाशाही मानसिकता का जीता जागता उदाहरण है। ग्रामीणों में रोस और गुस्सा है लेकिन आचार संहिता लगे होने के कारण लोग आंदोलनों की राह नहीं पकड़ रहे यदी आने वाले कुछ समय मे स्थिति नहीं सुधरी तो निश्चित ही पानी के लिए बड़े आंदोलन से इनकार नहीं किया जा सकता।

इनका कहना है

ठेकेदार का ठेका निरस्त कर दिया गया है जल्द ही नया टेंडर देकर कार्य प्रारंभ कराया जाएगा

-अंशुल बिसेन
इंजीनियर, पी एच ई

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी

हादसे में सवार 5 लोग हुए घायल

हरिभूमि न्यूज शहपुरा।

डिंडोरी जिला के शहपुरा क्षेत्र में लगातार सड़क दुर्घटना का खेल लगातार चल रहा है कोई दिन पहले ही बरजर घटना को देखकर भी वाहन चालक सबक नहीं ले रहे हैं ऐसा ही आज फिर घटना देखने को मिला जहां उमरिया रोड धिरवन कला गांव के पास तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर पलटी गई ,हादसे में 5 लोग हुए घायल हो गए आनन फानन हादसे में पांच लोग घायल हो गए घायलों को 108 एम्बुलेंस वाहन के चालक दीप तिवारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शहपुरा पहुंचाया जहां उन घायलों का उपचार जारी है । मिली जानकारी अनुसार कार में सवार होकर कुंडम से निगहरी के के पास चैतगंज जा रहे थे अचानक वहां यह घटना घट गई।

मटकों के बाद खस पर महंगाई की छाया

अनूपपुर। ८

दिन रात का तापमान बढ़ने से इन दिनों शहर के रहवासियों को गर्मी का अहसास होने लगा है। अलसायी दोपहर में बाजार मे टोपी, गमछा, रंगीन चश्मो की छोटी दुकाने सजने लगी है, ठंडे पेय पदार्थो की बिक्री भी चल रही है, एक तरह से देखा जाए तो हर शख्स गर्मी से बचाव की जुगाड़ में है, बावजूद इसके मंहगाई महारानी गर्मी के इस दौर मे देशी फ्रिज कहे जाने वाले मटको और कूलरो में लगने वाली खस पर मेहरबान नही है, बताया जाता है कि मटको की निर्माण सामग्री की कीमत बढ़ने की हालत मे कुम्भकार इस साल महॅगे मटके बेचने मजबूर है।

खस की जगह वुडवुड का उपयोग

उधर खस के दाम अधिक होने से खस की चटाईयॉ बेचने वाले भी पशोपेश मे पड़े हुए है, फिलहाल लग रहा है खस की सौंधी महक लकड़ी के छीलन मे खो गयी है, उल्लेखनीय है कि शहर मे कूलरो को ठंडा रखने वाले खस की दुकाने सज चुकी हुई तो है,किन्तु आमजनों का कहना है कि अब खस मे पहले जैसी ठंडक नही रही है,उसकी जगह बुडवुल का उपयोग होने लगा है, यह खस किस्म की लकड़ी की छीलन है जो बाहर से मॅगायी जाती है,खस और बुडवुल के रेट मे अंतर होता है,बुडवुल की छीलन भेड़ाघाट से आ रही है, इसकी चटाईयो कूलर मे लगाने से फर्क सिर्फ यह है कि खस जैसी सौधी महक नही उठती पर कूलर ठंडा हो जाता है,कूलरो को व्यवस्थित करने की जुगाड करने वाले लोगो की माने तो लकड़ी वाली चटाईयों की कीमत फिलहाल कम है जबकि खस की कमी का आलम है, खस न खरीदना का मलाल है पर ज्यादा जरूरी हुआ तो कूलरो की लकड़ी की चटाई एक दो बाद बदल लेगें,कूलर की चटाईयॉ बेचने वाले गरीब दुकानदारो का कहना है कि हमारे धंधे मे पहले जैसी कमायी नही रह गयी है, लोगों के घरो में कूलरो की तादाद बढ़ती जा रही है, किन्तु खस की बिक्री बढ़ने की बजाय कम हो गयी है,एक समय था जब वे खस से बनी चटाईयॉ ग्राहको को दे नही पाते थें,अब गर्मियो मे लोग लकड़ी का छीलन बुडवुल खरीदकर कूलरो मे लगा रहे है,बहुत कम ग्राहक है जो खस की सौंधी महक को समझते है और कहते है कि कुदरत के खस के आगे सब फीका है,ऐसे ग्राहको के लिस खस का इंतजाम करना मुश्किल है,वैसे सच है कि जबसे कूलर निर्माताओं ने बुडवुल का उपयोग करना शुरू किया है,तबसे खस की पूछपरख भी घट गयी है, उन्होने बताया कि अब ग्राहको की पहली पसंद बुडवुल है जो सस्ती और ठंडक देने वाली है,कूलर चटाई विक्रेताओं का कहना है कि बावजूद विपरीत स्थिति के हमारे घरो मे महिलाऍ कूलर की चटाईयो की कमानी बना रही है और हम तेज धूप मे अपनी दुकानो मे काम कर जीविका चला रहे है,यकीन है कि ईश्वर हमे दो वक्त की रोटी मयस्सर कराएगा।

जनजातीय विश्वविद्यालय में मनाया पूर्वोत्तर वसंत महोत्सव

अमरकंटक।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक के नॉर्थ ईस्ट फोरम ने विश्वविद्यालय परिसर में पूर्वोत्तर वसंत महोत्सव 2024 का आयोजन किया, जो संस्कृति, एकजुटता और उत्सव का एक जीवंत प्रदर्शन है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रकाश मणि त्रिपाठी और श्री शील मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शीला त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, साथ ही इस कार्यक्रम में संकायअध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक और छात्रों का उत्साह पूर्ण सहभागिता देखा गया, सभी उत्तर पूर्वी विरासत की समृद्ध संस्कृति का उत्सव मनाने के लिए एक साथ आए। विश्वविद्यालय के कुलपति ने इतनी भव्यता और सांस्कृतिक महत्व का कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नॉर्थ ईस्ट फोरम को बधाई दी, उन्होंने विभिन्न समुदायों के बीच सद्भाव और समझ को बढ़ावा देने में इस तरह के आयोजन के महत्व पर जोर दिया, जो अंततः लोकसंस्कृतियों के संरक्षण तथा उन्हें बढ़ावा देने के रूप में विश्वविद्यालय के उद्देश्य को पूरा करता है। पूर्वोत्तर वसंत महोत्सव 2024 विविधता को अपनाने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, समावेशिता और एकता के प्रतीक के रूप में आईजीएनटीयू की विरासत को मजबूत करने की विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में खड़ा है। उद्घाटन समारोह में अकादमिक एवं अनुसंधान निदेशक प्रोफेसर आलोक श्रोत्रिय ने बधाई दी और इस तरह के उल्लेखनीय कार्यक्रम के आयोजन में अनुकरणीय प्रयासों के लिए नॉर्थ ईस्ट फोरम की सराहना की। वरिष्ठ आचार्य प्रो. एके शुक्ला ने भी आयोजकों के प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम के आयोजक के रूप में पूर्वोत्तर से आने वाले संकाय सदस्यों में समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर हंजाबम शुखदेबा शर्मा, प्रो एन सुरजीत कुमार, डॉ. शिवाजी चौधरी, डॉ. संजय सिंह, डॉ. पल्लवी दास, डॉ. आरके बिजेता, डॉ. कृष्णामणि भागवती, डॉ. अचुन रोंगमेई और सुश्री तनुश्री सूत्रधार ने पूर्वोत्तर के सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों के साथ मिलकर एकता और सहयोग की भावना का प्रदर्शन किया कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जहां छात्रों ने पूर्वोत्तर राज्यों की विविध परंपराओं, संस्कृतियों और रीति-रिवाजों का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यशाला में अग्निवीर चयन परीक्षा एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा के चयन की दी गई जानकारी

डिंडौरी। शासकीय महाविद्यालय बजाग में शुक्रवार को महाविद्यालय के सभागार में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अग्निवीर भर्ती के क्षेत्र में रोजगार के अवसर अंतर्गत शारीरिक दक्षता एवं लिखित चयन परीक्षा की तैयारी तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आदि विषयों पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार कुशवाह के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया स तत्पश्चात कार्यशाला की शुरुआत में श्री अरविन्द डहेरिया द्वारा छात्र - छात्राओं को अग्निवीर भर्ती परीक्षा में चयनित होने हेतु शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी एवं सफलता प्राप्त करने के लिए मौखिक तथा प्रायोगिक व्याख्यान स्वरूप विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

खबर संक्षेप

खुशी धानक ने विद्यालय में प्राप्त किया प्रथम स्थान

नरसिंहपुर । ज्ञानगंगा हायर सेकेंडरी स्कूल की अग्रेंजी माध्यम की छात्रा खुशी धानक ने कक्षा 10वीं में अच्छे अंकों से प्रथम स्थान प्राप्त कर सफलता अर्जित की। उनकी इस सफलता पर माता-पिता सहित परिवार के सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी हैं। उल्लेखनीय है कि छात्रा खमरिया गांव के कर्मठ,लगनशील प्रतिष्ठित नागरिक तेजपाल धानक की सुपुत्री है। खुशी धानक की सफलता पर उनके शुभचिंतकों, मित्रों एवं शाला परिवार ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर बधाइयां प्रेषित की हैं।

व्यक्ति के साथ की मारपीट

नरसिंहपुर। मुंगवानी थाना अंतर्गत बरहेटा के हरदौल मोहल्ले में बिना किसी वजह के बाजारी लाल पिता दुम्मी लाल चौधरी उम्र 45 वर्ष के साथ गाँव के ही किसी व्यक्ति ने मारपिट कर दी जिससे उसे चोट आ गई वही उसने 100 डायल को कॉल किया और घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा घायल का उपचार किया जा रहा हैं।

महिला को घर में जहरीले कीड़े ने काटा

नरसिंहपुर । स्टेशनगंज थाना अंतर्गत विपतपुरा निवासी महिला संगीता अग्रवाल पति दीपेश अग्रवाल उम्र 40 वर्ष को घर में किसी जहरीले कीड़े ने काटा दिया था वही उसने अपने परिजनों को सूचना दी परिजन उसे निजी साधन से उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आए जहां डॉक्टर के द्वारा महिला का उपचार किया जा रहा हैं।

ग्रीष्मकालीन खो-खो प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर । यूनिटी खो-खो क्लब के द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर में 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खो-खो प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है इस प्रशिक्षण के दौरान बच्चो में खेल के प्रति काफी जोश एवं उत्साह देखा जा रहा है। प्रशिक्षण की शुरूआत खेल ग्राउंड पूजन के साथ की गई। जिसमें बच्चों को प्रशिक्षण विवेक कहार, प्रशांत खत्री द्वारा दिया जा रहा है। खो खो का प्रशिक्षण का समय सुबह 5 से शाम 7 तक यह शिविर आयोजित किया जा रहा है।

रूक जाना नहीं की अंतिम तिथि आज

नरसिंहपुर । संयुक्त संचालक जबलपुर द्वारा प्राप्त जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी एच पी कुर्मी द्वारा बताया गया कि रुक जाना नही परीक्षा के अंतर्गत परीक्षार्थी 06 मई तक आवेदन कर सकेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त प्राचार्य को अनुत्तीर्ण छात्र छात्राओं के शत प्रतिशत नामांकन हेतु निर्देश जारी किए हैं।

पूर्व विधायक विट्ठलराव महाले पंचतत्व में विलीन

सौंसर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक हरिभक्त परायण विट्ठलराव महाले नही रहे। मिली जानकारी के अनुसार पूर्व विधायक श्री महाले 77 का रविवार की सुबह हृदय गति रुकने के चलते निधन हो। वे काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। रंगारी ठोका निवासी श्री महाले कांग्रेस के कन्हान क्षेत्र के कद्दावर नेता एवं विधायक रहे हैं। उनके द्वारा विधायक रहते हुए सौसर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के अनेक कार्य किए गए है।

पुलिस जांच में जुटी, संदिग्धों से की जा रही पूछताछ

मंदिर के पुजारी की हत्या से क्षेत्र में फैली सनसनी

24 घंटे में आरोपी की गिरफ्तारी ना होने पर सर्व सनातन ब्राम्हण समाज करेगा आंदोलन

करेली । बीती रात अज्ञात लोगो द्वारा पुजारी की गला दबाकर हत्या कर दी । करेली गल्ला मंडी के पास उस समय हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई, जब यहां स्थित मदार टेकरी मंदिर में सो रहे पुजारी की किसी अज्ञात ने हत्या कर मौत के घाट उतार दिया। जानकारी मिलते ही पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। साथ ही एसपी अमित कुमार ने भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार करेली में मदार टेकरी मंदिर के पुजारी हरिनारायण शर्मा 73 वर्ष मंदिर प्रांगण में ही हॉल में सो रहे थे। शनिवार की देर रात किसी अज्ञात ने मंदिर में घुसकर पुजारी की की हत्या कर दी। पुलिस को मौके पर मंदिर और दान पेटी के ताले टूटे हुए मिले हैं, जिससे चोरी की भी आशंका है। मंदिर में हुए इस हत्याकांड को लेकर शहर में सनसनी फैल गई है। घटनास्थल पर एसपी, एसडीओपी सहित पुलिस के अधिकारी मौजूद हैं और डॉग स्क्वॉट की टीम भी जांच कर रही है।

भक्तों ने दी पुलिस को सूचना

प्रतिदिन की भाति रोज सुबह मंदिर आने वाले भक्तों ने जब मंदिर बंद पाया, तो पुजारी जी को आवाज लगाई तो कोई जवाब ना मिलने पर अंदर देखा, तो पुजारी मृत अवस्था में अपने बिस्तर पर पड़े हुए है, तो तत्काल लोगो ने पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने मौके पर पहुंच मर्ग पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर शव का परीक्षण कराया गया । उक्त घटना के बाद क्षेत्र मे ससनसनी फैली हुई है । घटना की जानकारी लगने के तुरंत बाद ही थाना प्रभारी सुभाष चन्द्र बघेल अपनी टीम के साथ पहुंचे और जांच शुरू की मामले की जानकारी लगने के तुरंत बाद ही जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागेंद्र पटेरिया, एसडीओपी मोनिका तिवारी भी मौके पर पहुंचे तत्काल पुलिस ने डॉग स्क्वायड की मदद से भी आरोपी को ढूढने प्रयास किए गए।

हत्या से सर्व समाज में है आक्रोश

नगर के सबसे प्राचीन और सिद्ध मंदिर के परिसर में हुए ऐसे जघन्य कृत्य से समूचे शहर के लोगो में आक्रोश व्याप्त है, इस तरह से मंदिर के अंदर रहने वाले पुजारियों की हत्या होने लगी, तो मंदिर भी सुरक्षित नहीं रह जायेगे और लोगो के अंदर से कानून का भय भी खत्म हो जाएगा। सर्व समाज ने इस जघन्य कृत्य की घोर निन्दा करते हुए जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर कठिन से कठिन दंड देने की मांग की। विप्र समाज की बैठक में आकर

पुलिस थाना प्रभारी सुभाष चंद्र बघेल ने बताया कि किसी से ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा पुलिस हर एंगल से शक्ति से जांच कर रही है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाएगी मंदिर की पुजारी की हत्या एक दर्दनाक हत्या है गला दबाने के दौरान एक गमछा दो टुकड़ों में प्राप्त हुआ है जिसका एक हिस्सा गले में था और दूसरा हिस्सा पास ही मृतक के पास डाला हुआ था । मदर टेकरी के मंदिर के पुजारी की हत्या को लेकर घटनास्थल पर आए लोगों के द्वारा तरह-तरह की चर्चा की जा रही थी कुछ लोग मदार टेकरी के मंदिर की जमीन के संबंध में चर्चा कर रहे थे ' तो कुछ लोग मंदिर के पुजारीयो को लेकर भी चर्चा कर रहे थे और कुछ के द्वारा यहां पर आने लोगों को लेकर शंका व्यक्त कर रहे थे ।

पुलिस कर रही संदिग्धों से पूछताछ

रविवार की सुबह से ही डॉग एक्सपार्ट की टीम के द्वारा आसपास के क्षेत्र में निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान डॉग मंदिर से पूर्व दिशा की ओर लगभग 1 किलोमीटर दूर जाकर एक कचरे की ढेर पर जाकर रुक गया कचरे की ढेर पर रोकने को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है मदार टेकरी दुर्गा मंदिर के पुजारी के संबंध में बताया जा रहा है कि नवरात्रि के बाद से हरिनारायण शर्मा के द्वारा मंदिर में पूजा की जा रही है नवरात्रि के पहले यहां पर दूसरे पुजारी के द्वारा पूजा की जा रही थी पंडित हरिनारायण शर्मा की आकस्मिक मृत्यु को लेकर सनातन सर्व ब्राम्हण समाज करेली जिला अध्यक्ष नारायण दुवे करेली के अध्यक्ष जगदीश मिश्रा के नेतृत्व में राम मंदिर में एक बैठक की गई जिसमें विचार किया गया कि यदि पुलिस 24 घंटे के अंदर अपराधियों को नहीं पकड़ती है तो विप्र समाज आंदोलन के लिए होगी । उक्त घटना के बाद लोगो मे आक्रोश बना हुआ है । घटना की जानकारी के बाद से ही सक्रिय हुई, पुलिस मामले की सूक्ष्मता से जांच कर रही और मंदिर के आसपास लगे कैमरों के साथ-साथ संधिग्धो को चिन्हित कर उनसे पूछताछ कर आरोपियों की तलाश कर रही है, मंदिर के दान पात्र के ताले भी टूटे हुये है ।

इनका कहना है

मंदिर के पुजारी की हत्या का मामला घटित हुआ है। पुलिस की टीम जांच में जुटी हुई, सभी साक्ष्यों को एकत्रित कर लिया गया है, जल्द ही हत्यारों को पकड़कर मामले का पदार्फाश किया जायेगा।

अमित कुमार
पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर

280 किसानों तथा व्यवसायी के पैसे लेकर मिल संचालक फरार

नरसिंहपुर । जिले के बड़गुवां-नयागांव स्थित आरआर एग्रो खांडसारी मिल के संचालक द्वारा क्षेत्र के तकरीबन 280 किसानों के भुगतान को अधर मे लटका कर मिल बंद कर दी तथा दूसरे सीजन मे मिल भी चालू नही की गई । मिल संचालक द्वारा अन्य व्यवसायिों से भी पैसे उधार मे लिये गये थे जिसका मामला कोर्ट मे लटका हुआ है जिसमे न्यायालय द्वारा कुंदन पिता बैजनाथ साव उम्र 50 वर्ष को न्यायालय ने फरार घोषित कर दिया है। उनकी विरुद्ध स्टेशनगंज पुलिस को आदेशित किया है कि स्थायी वारंट जारी कर गिरफ्तारी की जाए। मामला जिला मुख्यालय के समीपी गांव सिंहपुर बड़ा के प्रतिष्ठित किसान द्वारा दी गई उधारी से जुड़ा है। जिनकी रकम तीन साल बाद भी मिल संचालक द्वारा वापस नहीं की गई थी। चेक बाउंस हो गए थे। ज्ञात हों कि मिल संचालक कुंदन साव समेत उनके पुत्र राहुल साव के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में एसआईटी का विधानसभा चुनाव के पूर्व गठन किया गया था। जो कि अभी भी प्रभावशील है। यह एसआईटी करीब 280 किसानों के सवा पांच करोड़ रुपए से अधिक भुगतान नहीं करने की शिकायत पर गठित की गई थी। किसान विवेक महाजन के द्वारा बताया गया कि तकरीब तीन साल पहले शांति कोल्ड स्टोरेज सिवनी रोड, जिला छिंदवाड़ा निवासी और आरआर एग्रो खांडसारी मिल के संचालक को उन्होंने जरूरत के वक्त लाखों रुपए उधार दिए थे। जिसके बदले में उन्होंने महज चार लाख रुपए ही लौटाए। बाकी के चेक बाउंस हो गए। इसके बाद उन्होंने कुंदन साव के विरुद्ध न्यायालय की शरण की। बावजूद इसके, मिल संचालक न तो कोर्ट में उपस्थित हुए, न ही वे बकाया रुपए ही लौटा रहे थे। श्री महाजन के अधिवक्ता महेंद्र गोस्वामी ने बताया कि प्रकरण की सुनवाई बीती 29 अप्रैल को भी थी, लेकिन कुंदन साव उपस्थित नहीं हुए। फलस्वरूप न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंकिता श्रीवास्तव ने प्रकरण का अवलोकन किया। जिसमें पाया कि अभियुक्त के विरुद्ध बीती 24 जनवरी से लगातार गिरफ्तारी वारंट जारी करने के आदेश न्यायालय ने दिए हैं। इसे खुद जाकर तामील कराया जा रहा है। बावजूद इसके, कुंदन साव उपस्थित नहीं हो रहे हैं। न्यायालय को समाधान हो गया है कि अभियुक्त तामीली से बच रहा है या अभियुक्त की उपस्थिति निकट भविष्य में भी सुनिश्चित कराना संभव नहीं है। इसलिए न्यायालय ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए अभियुक्त को फरार घोषित कर दिया। इसके साथ ही स्टेशनगंज थाना प्रभारी को आदेशित किया कि इस स्थायी गिरफ्तारी वारंट की आमद दर्ज कर रोजनामचा क्रमांक के साथ न्यायालय को सूचित करें। प्रकरण का परिणाम दर्ज कर तय समयावधि में अभिलेखागार भेजा जाए। ज्ञात हो कि मिल संचालक ने क्षेत्र के 280 किसानों का पैसा भी डकार लिया गया जिस मामले की जिला प्रशासन द्वारा जांच की जा रही है । अब देखना होगा कि उक्त प्रक रण मे क्या सामने आता है मिल संचालक व्यवसायी तथा किसानों के पैसे वापिस करता है या नही।

हर्षोल्लास से मनाई गई भगवान सेन जी महाराज की जयंती

नरसिंहपुर । रविवार को सेन समाज द्वारा स्थानीय सदर मढिया स्थित तुलसी मानस भवन मे सेन समाज के आराध्य संत शिरोमणि भगवान सेन जी महाराज की 724 वीं जयंती मनाई गई । सर्व प्रथम विशाल शोभायात्रा के निकाली गई जो सदर मढिया से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गो से होत हुये तुलसी मानस मानस भवन मे सम्पन्न हुई । उसके उपरांत हवन - पूजन व चालीसा पाठ तथा महाआरती की गई । उक्त मौके पर समाज के वरिष्ठ नागरिकों तथा प्रतिभावान छात्र - छात्राओं संरक्षक समीति का सम्मान किया गया तथा भंडार प्रसादी वितरण की गई। उक्त मौके स्वाजातीय बंधुओं द्वारा अपने - अपने प्रतिष्ठानों को बंद रखा गया । कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रदीप सेन , साहब लाल सेन, मुन्ना लाल सेन , मदन ऊमरे, नरेन्द्र सराठे, आशीष सेन, अनूप सेन , सतीश सेन रामचरण सेन , विजय सराठे, सतीश श्रीवास, ब्रजेश सेन, इमरात लाल , महेन्द्र सराठे, हेमंत सेन, हेमराज सेन, राजा सेन, लक्ष्मन सेन, श्रीकांत श्रीवास, आयुष सराठे, अमित सराठे सहित सभी स्वाजातीय बंधु उपस्थित रहे ।

कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन 10 को

नरसिंहपुर । त्रिमूर्ति क्लब की बैठक का आयोजन क्लब की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति तिवारी की अध्यक्षता में अनगण मंदिर के समीप नवीन पांडे जी के पतंजलि प्रतिष्ठान में किया गया जिसमें परशुराम जयंती पर दिनांक 10 मई को शाम 7 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक सम्मान समारोह एवं भव्य आध्यात्मिक कवि सम्मेलन , गायत्री मंदिर प्रांगण नरसिंहपुर में आयोजित करने का निर्णय लिया गया । कवि सम्मेलन त्रिमूर्ति क्लब के संस्थापक हास्य कवि डॉक्टर शंकर सहर्ष के संयोजन में आयोजित किया जाएगा जिसमें श्रेष्ठ कवि आमंत्रित किए जाएंगे । बैठक में उपाध्यक्ष विनोद तिवारी बंधु , सचिव सदन ऊमरे , रमेश मेहरा, कोषाध्यक्ष श्रीकांत खत्री, प्रभारी डॉक्टर गणेश सोनी, नवीन पांडे,कुंज बिहारी यादव, लक्ष्मण वैष्णव, प्रशांत शर्मा की उपस्थिति सराहनीय रही । अंत में क्लब की अध्यक्ष ने नगर की समस्त जनता से कवि सम्मेलन में उपस्थिति होकर सफल बनाने हेतु आग्रह किया है।

महिला की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नरसिंहपुर । चौकी बरमान थाना सुआतला में महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपित को 24 घंटे में गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया, कि शिकायकर्ता भूरीबाई पति कालूराम नौरिया उम्र 50 साल निवासी, बीकोर, चौकी बरमान थाना सुआतला ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि 2 मई को दिन गुरूवार की शाम 7 बजे हार से बकरी चराकर घर वापस आई, तब उसके गांव की त्रिवेणी बाई धानक उसके घर के सामने खडी हुई थी, जिस पर उसने त्रिवेणी से उसके खडे होने का कारण पूछा तो उसने बताया, कि दादा सेवाराम नौरिया ने खाना ठीक से नही बनाने की बात कहकर उसके सिर मे एवं चेहरे मे लाठी से मार दिया है। तब भूरीबाई और उसके लड़के रेवाशंकर ने त्रिवेणी बाई को उसके घर आंगन मे छोड़ दिया। त्रिवेणी के पति रूस्तम को भी सेवाराम के द्वारा मारपीट करने की बात बताई थी। सेवाराम एवं त्रिवेणी बाई की आपस मे जान पहचान थी, जो त्रिवेणीबाई सेवाराम नौरिया के लिए हमेशा खाना बनाकर ले जाती थी तथा कभी सेवाराम नौरिया भी त्रिवेणी के घर भी खाना खाने आ जाता था। सेवाराम द्वारा मारपीट करते मोहल्ले वालो ने भी देखा है। उक्त रिपोर्ट पर थाना सुआतला में एससीएसटी एक्ट के

तहत मामला कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में घायल की इलाज के दौरान मृत्यु हो जाने पर आरोपी के विरूद्ध धारा 302 का मामला दर्ज किया गया एवं आरोपी की पतासाजी एवं गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया। पुलिस के अनुसार घटना को अंजाम देने के बाद फरार होने की फिराक में था, मुखबिर ने जानकारी दी, कि महिला की हत्या करने वाला सेवाराम वर्तमान में बीकोर आश्रम में छिपा हुआ है, जो मौका पाकर भाग जाएगा। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीमों द्वारा घेराबंदी की गयी, आरोपित ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस के मुस्तैद जवानों ने उसे दबोच लिया।

इनकी रही मुख्य भूमिका

हत्या के आरोपी सेवाराम नोरिया को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के कुशल नेतृत्व में एवं अति पुलिस अधीक्षक नागेन्द्र पटेरिया, एसडीओपी तेन्दूखेडा मधुर पटेरिया, के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुआतला, निरीक्षक अनुपमा शर्मा, चौकी प्रभारी बरमान उनि ओपी शर्मा, उनि अंकित रावत, सउनि सतरलाल सरयाम, सउनि जागेश्वर ठाकुर, प्रआर विजय धुर्वे, आरक्षक बहादुर, आरक्षक सुधर्म, आरक्षक सोनू सतारे, आरक्षक सोहन, आरक्षक आकाश, आरक्षक सत्येन्द्र, आरक्षक कपिल, आरक्षक अंकित पारधी की मुख्य भूमिका रही।

डेढ़ किमी सड़क निर्माण के चक्कर में प्रधानमंत्री सड़क के उड़े परखच्चे

तेंदूखेड़ा

इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में डम्फर राज चल रहा है। चारों तरफ भारी भरकम ओवरलोड डम्फर चल रहे हैं। जिनके कारण ना केवल बाहन दुर्घटना बढ़ रही है बल्कि पूर्व से बनीं सड़कों पर अधिक दबाव के चलते सड़कें नेस्तनाबूद हो रहीं हैं। और स्थानीय प्रशासन इस व्यवस्था पर उचित ध्यान नहीं दे रहा है। ऐसा ही एक उदाहरण समीपी ग्राम मेंहदा खैरी में देखने को मिला है। यहां के लोगों ने आपत्ति जताई है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार मेंहदा से डोभी सड़क मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। मार्ग के बीच में पढ़ने वाले नाले पर भी पुलिया का निर्माण किया जाना है। लेकिन बिलगुंवा वेयरहाउस से मेंहदा खैरी के लिए जो पूर्व में प्रधानमंत्री सड़क बनाई गई थी उसके भारी डम्फरों

के कारण परखच्चे उड़ गए हैं। यहां के प्रतिष्ठित सजग वर्ग सूरत पटेल रामकुमार तेजबल अनिल शुभम प्रशांत अंकित पटेल मेंहदा का कहना है कि एक सड़क बनाने के चक्कर में दूसरी सड़क बर्बाद ना की जाये यदि इन भारी डम्फरों से प्रधानमंत्री सड़क खराब हो रही है तो पहले इस सड़क को सुधार जाये। यदि तत्काल प्रभाव से संबंधित ठेकेदार इस विषय पर ध्यान नहीं देते हैं तो शीघ्र ही गांव के लोग सड़कों पर उतर कर आंदोलन के वाध्य हो जायेंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली से त्रस्त कृषकों ने विद्युत अधिकारी को बताई समस्या

तेंदूखेड़ा

इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बीजली की समस्या से हर वर्ग परेशान बना हुआ है।बिजली ना मिलने से जहां किसान मूंग और गन्ने की फसल में पानी नहीं दे पा रहे हैं वहीं पेयजलापूर्ति व्यवस्था भी लड़खड़ा गई है। मवेशियों को पानी पिलाने तक की व्यवस्था नहीं बन पा रही है।भीषण गर्मी में कूलर पंखों और बिजली से चलने वाले धंधे चौपट बनें हुए हैं।आटे की चक्कियों में अनाज तक नहीं पिस पा रहा है। रविवार को काशीखेरी फीडर से जुड़े अनेकों ग्रामों के हैरान परेशान उपभोक्ताओं कृषकों ने मौके पर विद्युत अधिकारी को वस्तुस्थिति से

अवगत कराया और तत्काल प्रभाव से व्यवस्था में सुधार की मांग की गई। बीच बीच में तू तू मैं मैं की स्थिति भी बनी लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप से मामला पटरी पर आया। चूंकि यह कोई काशीखेरी फीडर से जुड़े किसानों की समस्या नहीं है। डोभी फीडर से जुड़े किसानों की इसी तरह से समस्या बनी हुई है।गुटोरी के कृषकों ने अपनी आपत्तियां दर्ज कराई है।समीपी ग्राम इमझिरा हरिजन टोला में बिजली नहीं होने के कारण पेयजलापूर्ति प्रभावित बनीं हुई है। पानी को लेकर आये दिन लड़ाई झगडे भी हो रहें हैं। कृषकों ने सामूहिक रूप से विद्युत व्यवस्था को पटरी पर लाने की मांग की है।